आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 181 | उज्जैन, शनिवार 24 मई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को अत्याधुनिक बनाने गुणवत्ता पर बारीकी से ध्यान दें-मंत्री श्री सारंग

मंत्री श्री सारंग ने नाथू बरखेड़ा अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की प्रगति की समीक्षा की

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि नाथू बरखेड़ा में अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को अत्याधुनिक बनाने के लिये बारीकी से गुणवत्ता पर ध्यान दें। उन्होंने पार्किंग, कैफेटेरिया, वॉटर सप्लाई, रिंग रोड, फायर सेफ्टी, वॉटर हार्वेस्टिंग आदि की सुव्यवस्थित प्लानिंग करने के निर्देश दिये। उन्होंने प्लान में अस्थाई पार्किंग और सोलर प्लांट को भी शामिल करने को कहा। मंत्री श्री सारंग शुक्रवार को टी.टी. नगर खेल स्टेडियम में नाथू बरखेड़ा अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे।

आवागमन के लिये मल्टीपल गेट बनाएंमंत्री श्री सारंग ने स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में मल्टीपल गेट बनाने को भी कहा, जिससे आवागमन में आसानी हो। उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक ही थीम पर साइनेज की व्यवस्था हो, इसके लिये एक ही कलर और एक ही फॉन्ट का उपयोग हो। मंत्री श्री सारंग ने ऑफिस स्पेस के लिये प्रॉपर व्यवस्था करने को भी कहा। मंत्री श्री सारंग ने पार्किंग तक पहुंच रोड बनाने और कनेक्टिविटी देने के निर्देश दिये।

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण मंत्री श्री सारंग ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मापदण्डानुसार निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है और शेष कार्यों को तेजी व गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण किया जा रहा है।

उन्होंने निर्माण एजेंसियों को जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मंत्री श्री सारंग ने एथलेटिक्स स्टेडियम, लाइटिंग सिस्टम, प्रैक्टिस हॉकी फील्ड, वार्म-अप ट्रैक, पार्किंग, फुटबॉल फील्ड, वॉटर एवं सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और अन्य निर्माण कार्यों को तेज गति से करने के निर्देश दिये।

प्रचार के लिए आए हो, SC ने खारिज की CJI प्रोटोकॉल मामले में दायर याचिका; जुर्माना ठोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई बनने के बाद बीआर गवई पहली बार अपने गृहजनपद पहुंचे थे। इस दौरान उनके प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया गया। जिसको लेकर कई प्रकार की चर्चा की जाने लगी।

सीजेआई के महाराष्ट्र दौरे के दौरान राज्य के मुख्य सचिव पुलिस महानिदेशक या पुलिस आयुक्त उन्हें रिसीव करने नहीं पहुंचे, न ही उनके कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस वजह से सीजेआई नाराज हो गए। हालांकि बाद में महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री ने मांफी भी मांगी।

प्रोटोकॉल उल्लंघन का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट- सीजेई के प्रोटोकॉल उल्लंघन के मामले में एक याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल की है। हालांकि, कोर्ट ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाई।

कोर्ट ने याचिकाकर्ता को लगाई फटकार - भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर. गवई के सीजेआई के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद अपने गृह राज्य महाराष्ट्र की पहली यात्रा के संबंध में प्रोटोकॉल के उल्लंघन को लेकर एक जनहित याचिका सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल की गई।

भारत के दुश्मनों की अब खैर नहीं, कुशा प्रोजेक्ट से और मजबूत होगा डिफेंस सिस्टम

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य टकराव के दौरान भारतीय डिफेंस सिस्टम ने बेहतरीन ढंग से काम करते हुए पाकिस्तान की ओर से भेजे गए सारे ड्रोन्स और मिसाइल को नष्ट कर पाकिस्तानी हमले को नाकाम कर दिया था।

रूसी S-400 ने प्रभावशाली काम करते हुए पाकिस्तानी ड्रोन्स को हवा में ही नाकाम कर हमले के प्रयास को विफल कर दिया था। अब भारत अपना खुद का स्वदेशी मिसाइल डिफेंस सिस्टम तैयार करने पर काम कर रहा है।

कौन सी कंपनी करेगी निर्माण- आकाश जैसी एअर डिफेंस सिस्टम बनाने वाली एक प्रमुख रक्षा क्षेत्र की कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड प्रोजेक्ट कुशा के तहत एस 400 की तरह ही स्वदेशी लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाले मिसाइल सिस्टम बनाने में जुट गई है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी का लक्ष्य 12 से 18 महीने में प्रोटोटाइप को पूरा करना है, उसके बाद उपयोगकर्ता परीक्षण होंगे, जो 12 से 36 महीने तक चल सकते हैं।

FATF की ग्रे लिस्ट में जाएगा पाकिस्तान! भारत ने कर लिया पूरा बंदोबस्त, सरकार ने बनाया प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ अब एक और एक्शन की तैयारी है। मोदी सरकार ने एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट पाकिस्तान को लाने का प्लान तैयार कर लिया है। वैश्विक मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी वित्तपोषण निगरानी संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल को भारत ने इस संबंध में जानकारी उपलब्ध करा दी है।

सूत्रों के अनुसार, भारत पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में लाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा। इसके लिए भारत की तरफ से एफएटीएफ को एक डिटेल डोजियर भेजा जाएगा। इसमें मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद की फंडिंग में शामिल संस्थाओं और लोगों के बारे में सबूत होंगे।

जून में होगी एफएटीफ की बैठक

भारत की तरफ से डोजियर देकर एफएटीएफ द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत सख्त जांच और कार्रवाई की मांग की जाएगी। जून में एफएटीएफ की बैठक में भारत के अधिकारी शामिल होंगे और इस मुद्दे को उठाया जाएगा।

बता दें कि एफएटीएफ प्लेनरी ने अक्टूबर 2022 में पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट से हटा दिया था। हालांकि तब पाकिस्तान को चेतावनी दी गई थी कि काउंटर फाइनेंसिंग ऑफ टेररिज्म सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए एशिया पैसिफिक ग्रुप के साथ काम करना जारी रखेगा।

पाकिस्तान को पहली बार 2008 में ग्रे लिस्ट में डाला गया था। लेकिन 2009 में हटा दिया गया। 2012 से 2015 तक इस पर निगरानी बढ़ाई गई। 2018 में इसे फिर से ग्रे लिस्ट में डाल दिया था। 2021 में भी पाकिस्तान ग्रे लिस्ट में था।

फिर डराने लगा कोरोना, गुजरात-महाराष्ट्र समेत इन राज्यों में सामने आए नए केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में कोरोना के मामले में एक बार फिर से बढ़ोतरी देखी जा रही है। तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कर्नाटक, ओडिशा के बाद अब गुजरात में कोरोना के 15 और नए मामले सामने आए हैं। ये मामले गुजरात के अहमदाबाद से सामने आए हैं।

गुजरात में कोरोना के मरीजों में कोरोना का जेएन.1 वैरिएंट मिला है।15 मरीजों का इलाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है ये वैरिएंट ओमिक्रॉन के प्रकार का ही है। ओमिक्रॉन वैरिएंट पहली बार अगस्त 2023 में सामने आया था।

लोगों का किया जा रहा इलाज

वहीं स्वास्थ्य अधिकारी ने लोगों को आश्वस्त किया है कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि सभी मरीज अस्पताल में भर्ती हुए बिना घर पर ही ठीक हो रहे हैं।

चिंता की जरूरत नहीं- गुजरात की अतिरिक्त निदेशक (सार्वजनिक स्वास्थ्य) डॉ. नीलम पटेल का भी इस मामले में बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, ये मामले इस समय गुजरात या भारत के लिए बहुत चिंता का विषय नहीं हैं।

ओडिशा में कितने मामले- ओडिशा की अगर बात करें तो कोविड-19 का एक नया मामला सामने आया है। फिलहाल मरीज की हालत स्थिर है।

केरल में कोरोना के 182 मामले- केरल में कोरोना के 182 मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने इसकी जानकारी दी है। वहीं महाराष्ट्र में कोरोना के 26 नए मामलों की पुष्टि हुई, इन्हें मिलाकर अब तक कुल 132 मामले हो गए हैं।

हाईवे से अतिक्रमण हटाओ, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को दिया निर्देश; तीन महीने में मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह राष्ट्रीय राजमार्गों की जमीनों पर हो रहे अवैध कब्जों को रोकने के लिए अहम कदम उठाएं। इससे अनधिकृत अतिक्रमणों की जांच की जा सकती है और उनसे संबंधों आंकड़े इकट्ठा किए जा सकें। कोर्ट ने अतिक्रमण हटाने और टीमें गठित करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने राज्यों की पुलिस या अन्य बलों की निगरानी में टीम बनाने और नियमित पेट्रोलिंग कराने को कहा है।न्यायमूर्ति अभय एस. ओका की अध्यक्षता वाली पीठ ने राजमार्गों की जमीन पर अवैध कब्जे के संबंध में केंद्र को कई निर्देश जारी किए।

आतंकियों पर हमले को खुद पर अटैक मानता है पाकिस्तान, अमित शाह ने पाक को एक बार फिर किया बेनकाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में 22वें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) अलंकरण समारोह और रुस्तमजी मेमोरियल लेक्चर को संबोधित करते हुए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत ने केवल पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर तब हुआ जब हमारे प्रधानमंत्री की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, हमारी खुफिया एजेंसियों की सटीक जानकारी और सेना की मारक क्षमता का अद्भुत प्रदर्शन एक साथ आए। जब ये तीनों एक साथ आए तो ऑपरेशन सिंदूर मुमकिन हुआ

भारतीय सेना की जाबांजी की तारीफ कर रही दुनिया- अमित शाह बोले, पहलगाम में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने बेकसूर लोगों को उनके परिवारों के सामने उनका धर्म पूछकर मार दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर उस हमले का जवाब है और आज दुनिया ने भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता की भूरी-भूरी प्रशंसा की है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद 8 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था और ऑपरेशन के कुछ ही मिनटों के भीतर हमने नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया, जिनमें से दो मुख्यालय थे। हमने पाकिस्तानी सेना के ठिकानों, एयरबेसों को नष्ट नहीं किया। हमने केवल उन लोगों को दंडित किया जिन्होंने भारतीय धरती पर पाप किए थे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, हमें लगता था कि हमने आतंकियों पर हमला किया है, लेकिन पाकिस्तान ने साबित कर दिया कि वह आतंकवाद को प्रायोजित करता है... पाकिस्तान, आतंकियों पर हमले को खुद पर हमला मानता है। जब पाकिस्तानी सेना ने हमारे नागरिक ठिकानों और हमारे सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने की कोशिश की, तो भारतीय सेना ने कड़ा जवाब दिया। उनके एयरबेस पर हमला करके अपनी मारक क्षमता का परिचय दिया।

उन्होंने कहा, आज पाकिस्तान की पोल खुल गई है कि भारत में आतंकवाद पाकिस्तान प्रायोजित है...जब हमने पाकिस्तान में आतंकवादी स्थलों पर हमला किया तो पाकिस्तानी सेना ने जवाबी कार्रवाई की...पाकिस्तानी सेना के अधिकारी आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

बलूचिस्तान के बाद अब सिंध के लोग क्यों हुए बागी, क्या है चोलिस्तान नहर प्रोजेक्ट; जिससे सुलग रहा पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की जवाबी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान पहले ही परेशान था। इस बीच, चोलिस्तान नहर प्रोजेक्ट को लेकर पाकिस्तान का सिंध सुलगने लगा। पंजाब और सिंध प्रांत के लोग एक-दूसरे की जान के दुश्मन बन गए। हाईवे बंद कर दिए गए। प्रेट्रोल पंप पर लूट की गई।

गृह राज्यमंत्री जियाउल हसन लंजर का घर फूंक दिया और दो लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में यह कोई आम विरोध प्रदर्शन नहीं था, यह खुले तौर पर पाकिस्तान की स्टेट पॉलिसी के खिलाफ बगावत थी।

अब सवाल यह हैं कि चोलिस्तान नहर प्रोजेक्ट क्या है, इस प्रोजेक्ट का विरोध क्यों हो रहा है, प्रोजेक्ट कितनी लागत में बनकर तैयार होगा और पाकिस्तान की इस प्रोजेक्ट के पीछे की मंशा क्या है

चोलिस्तान नहर प्रोजेक्ट क्या है - सिंधु नदी को पाकिस्तान की लाइफलाइन माना जाता है। पाकिस्तान सरकार और सेना ने सिंधु नदी का पानी पंजाब के चोलिस्तान रेगिस्तान में ले जाने के लिए चोलिस्तान नहर प्रोजेक्ट शुरू किया है ताकि चोलिस्तान रेगिस्तान की जमीन को खेती लायक बनाया जा सके। इस प्रोजेक्ट के तहत 176 किलोमीटर लंबी छह नहरे बनाई जानी हैं।

चोलिस्तान कैनाल प्रोजेक्ट के पीछे क्या है क्या की मंशा- दरअसल, चोलिस्तान नहर परियोजना के पीछे पाकिस्तान का असली मकसद सिंध प्रांत में जाने वाले पानी को रोकना है। पाकिस्तान की सरकार से लेकर सेना और प्रशासन के भीतर पंजाब के लोगों का दबदबा है। सिंध और बलूचिस्तान जैसे प्रांतों को लेकर पाकिस्तान के हुक्मरानों का रवैया हमेशा से ही उदासीन और दोयम दर्ज का रहा है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को लेकर ट्रंप का एक और बड़ा फैसला, जानिए भारतीय छात्रों पर कितना होगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन के एक फैसले से हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ रहे हजारों अंतरराष्ट्रीय के भविष्य पर संकट खड़ा हो गया है। ट्रंप प्रशासन ने हार्वर्ड के स्टूडेंट एंड विजिटर एक्सचेंज प्रोग्राम को रद कर दिया है।

होमलैंड सुरक्षा विभाग ने यूनिवर्सिटी को 72 घंटे का समय दिया है। इस समयसीमा के भीतर हार्वर्ड को मांगी गई जानकारियां उपलब्ध करानी हैं। होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने इसे अमेरिका के सभी शैक्षणिक संस्थानों के लिए चेतावनी कहा है।

ट्रंप प्रशासन ने हार्वर्ड के सामने 6 कठोर शर्तें रखी हैं।

विश्वविद्यालय परिसर या उसके बाहर में किसी गैर अप्रवासी छात्र द्वारा की गई अवैध गतिविधि के रिकॉर्ड उपलब्ध कराना - पिछले 5 साल में हार्वर्ड में एनरोल किसी गैर अप्रवासी छात्र द्वारा परिसर या उसके बाहर की गई किसी खतरनाक या हिंसक गतिविध के रिकॉर्ड उपलब्ध कराना।

पिछले 5 साल में यूनिवर्सिटी परिसर या उसके बाहर गैर अप्रवासी छात्र द्वारा अन्य छात्रों या यूनिवर्सिटी कर्मचारियों को धमकी देने के रिकॉर्ड उपलब्ध कराना।

पिछले 5 साल में यूनिवर्सिटी परिसर या उसके बाहर गैर अप्रवासी छात्र द्वारा अन्य छात्रों या विश्वविद्यालय कर्माचारियों के अधिकारों के हनन संबंधी रिकॉर्ड देना।

पिछले 5 साल में यूनिवर्सिटी में एनरोल गैर अप्रवासी छात्रों के सभी अनुशासनात्मक रिकॉर्ड उपलब्ध कराना।

पिछले 5 साल में यूनिवर्सिटी परिसर में गैर-आप्रवासी छात्र से जुड़ी किसी भी प्रोटेस्ट से जुड़े रिकॉर्ड देना।

भारतीय सांसदों के पहुंचने से पहले मॉस्को एयरपोर्ट पर ड्रोन अटैक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय डेलिगेशन कई देशों की यात्रा पर गया है और इस दौरान एक डेलिगेशन का नेतृत्व कर रही डीएमके सांसद कनिमोझी रूस के दौरे पर हैं। इस बीच मॉस्को एअरपोर्ट पर ड्रोन हमले की जानकारी सामने आई है।

हवा में फंसा विमान- बताया जा रहा है कि मॉस्को के एअरपोर्ट पर ड्रोन अटैक किया गया है, जिसके बाद डीएमके सांसद कनिमोझी का विमान हवा में ही फंसा रहा।

कुछ घंटों तक उड़ानों का परिचालन रहा बंद- थांथी टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, मॉस्को हवाई अड्डे के निकट ड्रोन हमले के कारण विमान उतर नहीं सका। घटना के बाद घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ान परिचालन कुछ घंटों के लिए अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया।

हालांकि, कई घंटों के बाद, जिस विमान में भारतीय डेलिगेशन यात्रा कर रहा था, उसे सुरक्षित रूप से उतारा गया।

रूस के दौरे पर है भारतीय डेलिगेशन- बता दें, सांसद कनिमोझी के नेतृत्व में एक डेलिगेशन पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को लेकर अंतरराष्ट्रीय जागरूकता बढ़ाने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में रूस का दौरा कर रहा है।

अमेरिका में आईफोन नहीं बनाए तो लगेगा 25% टैक्स, डोनाल्ड ट्रंप ने Apple को दी धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल को धमकी दी है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि अगर एप्पल आईफोन को अमेरिका के अलावा किसी और देश में बनाता है तो उसको 25 प्रतिशत का आयात शुल्क देना होगा। इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने Apple Inc. के टिम कुक से भारत में प्लांट्स बनाने को बंद करने को कहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मैंने बहुत पहले ही एप्पल के टिम कुक को सूचित कर दिया था कि मुझे उम्मीद है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में बेचे जाने वाले उनके आईफोन का निर्माण संयुक्त राज्य अमेरिका में होगा। किसी और देश में वह आईफोन का निर्माण ना करें। आगे अपने पोस्ट में उन्होंने कहा कि अगर एप्पल ऐसा नहीं करता है कि एप्पल को अमेरिका को कम से कम 25त्न टैरिफ का भुगतान करना होगा।

डोनाल्ड ट्रंप अगर ये फैसला लेते हैं तो अमेरिका में आईफोन की कीमतों में इजाफा देखने को मिल सकता है। इसके अलावा एप्पल के मुनाफे पर भी इस फैसले का गहरा असर पड़ सकती है।

आसिम मुनीर को हार का तोहफा! फील्ड मार्शल बनने पर उड़ा मजाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना के मुखिया आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल के पद पर प्रमोट किया गया है और अब वो इस नई पहचान के साथ जाने जाएंगे।

पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, ऑपरेशन बनयान-उम-मर्सूस के दौरान आसिम मुनीर द्वारा दिखाई गई असाधारण रणनीतिक सूझबूझ के कारण उन्हें ये पद दिया गया है।

सोशल मीडिया पर लोग ले रहे मजे

गौर करने वाली बात यह है कि भारत के हाथों चारों खाने चित होने के बावजूद मुनीर को ये पदवी मिली कैसे? वैसे तो इसका सही जवाब यह हो सकता है कि पाकिस्तान में कुछ भी संभव है। लेकिन, अब सोशल मीडिया पर पाकिस्तान और भारत दोनों ही तरफ से मुनीर की इस उपलब्धि पर लोग जमकर मजे ले रहे हैं।

आज हम आपको कुछ ऐसे मीम्स दिखाने वाले हैं, जो सिर्फ भारत से ही नहीं पाकिस्तान के लोगों ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। लोग मुनीर के इस प्रमोशन को एक फिल्म के डायलॉग ये तोहफा हमने खुद को दिया है से जोड़कर पेश कर रहे हैं।

पाकिस्तान का इतिहास- पाकिस्तान के इताहास पर ध्यान दें तो इससे पहले फील्ड मार्शल की उपाधि सिर्फ एक बार ही किसी को दी गई थी, जब जनरल अयूब खान ने 1960 के दशक में खुद को ही इस पद से नवाजा था।

भारत से मिली करारी हार के बाद भी मुनीर को मिला प्रमोशन- गौरतलब है कि, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देकर पाकिस्तान को हर मोर्चे पर विफल कर दिया और पड़ोसी मुल्क को मुंह की खानी पड़ी थी। इसके बाद भी मुनीर का प्रमोशन हुआ है।

चावल को लेकर इस देश में हंगामा है बरपा...कैसे हुई Rice की किल्लत, कृषि मंत्री को छोड़नी पड़ी कुर्सी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान में एक बार फिर चावल की आपूर्ति कम हो गयी है। देश में चावल के दाम आसमान छू रहे हैं और ये मामला अब सियासत की दहलीज तक पहुंच चुका है। चावल की बढ़ती महंगाई और कम होती आपूर्ति के मामले ने इतना तूल पकड़ लिया की जापान की कृषि मंत्री ताकू एटो को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा।

इस खबर में समझेंगे कि चावल की आपूर्ति को लेकर हालात इतने बदतर कैसे हुए लेकिन पहले समझते हैं कि जापान में चावल क्यों इतना अहम है?

चावल को जापानी संस्कृति, परंपरा और राजनीति का खाद-पानी माना जाता है। लोग इस अनाज को अपनी अस्मिता से जोड़ते हैं। जापान में जिस चावल का इस्तेमाल बहुतायत होता है वह चिपचिपे तरीके का होता है और उसे जापोनिका कहते हैं।

देश में चावल का उत्पादन जापान में खाद्य आपूर्ति के लिए काफी अहम है। चावल जापानी आहार का एक प्रमुख हिस्सा है। जापान में ज्यादातर लोग चावल को अपने दैनिक आहार में इस्तेमाल करते हैं। जापान दुनिया में चावल का नौवां सबसे बड़ा उत्पादक है। जापान में पहली बार चावल की खेती सहस्राब्दी ईसा पूर्व के दौरान कोरियाई किसान प्रवासियों द्वारा लाई गई थी। गीले खेत की चावल की खेती जापान में अंतिम जोमोन और प्रारंभिक यायोई काल के बीच शुरू की गई थी। ऐसा माना जाता है कि इसने द्वीपसमूह की कृषि क्रांति को इसके पहले गहन फसल उत्पादन के साथ शुरू किया।

पाक ने सभी शर्तें पूरी कीं और..., भारत के ऐतराज के बाद IMF ने लोन देने का किया बचाव; बताया क्यों दिया राहत पैकेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के तनाव के बीच IMF ने पाकिस्तान को कर्ज देने का एलान किया था। लेकिन IMF ने पाकिस्तान को 1 अरब डॉलर की मंजूरी दी थी। भारत ने IMF के इस फैसले पर आपत्ति जताई थी और कहा था कि वो एक बार इस पर दोबारा विचार करें। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपने इस बेलआउट पैकेज का बचाव किया है।

आईएमएफ ने कहा है कि पाकिस्तान ने लोन पाने के सभी नियमों का पालन किया है। यह राहत पैकेज उस समय दिया गया था जब पाकिस्तान स्थित आतंकवाद के खिलाफ भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत कार्रवाई की थी। भारत ने IMF से पाकिस्तान को लोन नहीं देने की अपील की थी, क्योंकि इन पैसों का इस्तेमाल पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए कर सकता है।

IMF ने किया अपना बचाव- आईएमएफ और पाकिस्तान ने पिछले साल ईएफएफ के तहत 7 बिलियन डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। अपने लोन का बचाव करते हुए आईएमएफ के संचार विभाग की निदेशक जूली कोजैक ने कहा, हमारे बोर्ड ने पाया कि पाकिस्तान ने सभी लक्ष्यों को पूरा कर लिया है। इसने कुछ सुधारों पर प्रगति की है और इसी कारण से बोर्ड ने आगे बढ़कर कार्यक्रम को मंजूरी दे दी।

जूली कोजैक ने आगे कहा, आईएमएफ फंडिंग का उद्देश्य केवल भुगतान संतुलन के मुद्दों को हल करना है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रमों के तहत एक मानक प्रक्रिया का हिस्सा है कि आईएमएफ कार्यकारी बोर्ड लोन कार्यक्रमों की प्रगति का आकलन करने के लिए समय-समय पर समीक्षा करता है।

बॉलीवुड सेलिब्रिटिज-क्रिकेटर्स देते हैं बढ़ावा, सट्टेबाजी ऐप्स पर नकेल की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बढ़ते अवैध सट्टेबाजी ऐप्स पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने की मांग कर एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई है, जिसपर विचार करने पर सहमति जताई गई। याचिका दायर कर ऑनलाइन गेमिंग ऐप्स और फैंटेसी स्पोर्ट्स ऐप्स पर सख्त नियम और कानून बनाने की भी मांग की गई है।

इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सूर्यकांत औक न्यायमूर्ति एनके सिंह की पीठ ने केंद्र को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। हालांकि, अभी राज्य सरकारों को नोटिस जारी नहीं किया गया है।

ऐप्स पर प्रतिबंध लगाने की मांग करने वाले याचिकाकर्ता ने खुद को एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता, मानवतावादी और ग्लोबल पीस इनिशिएटिव का अध्यक्ष, जो विश्व स्तर पर शांति और न्याय को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है बताया है।

क्यों दायर की याचिका- याचिकाकर्ता ने कहा कि यह जनहित याचिका दायर कर लाखों लोगों के हित में और अवैध सट्टेबाजी ऐप्स पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। बता दें, इसी साल मार्च में तेलंगाना में 25 बॉलीवुड सेलिब्रिटिज, क्रिकेटरों और फेमस लोगों के खिलाफ सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा देने का मामला दर्ज हुआ था।

याचिकाकर्ता ने इस मामले को भी हवाला अपनी याचिका में दिया है। इसके अलावा, तेलंगाना में 24 लोगों द्वारा आत्महत्या करने से संबंधित एक समाचार लेख का भी हवाला दिया गया है।

इसमें कहा गया है कि यह याचिका भारतीय युवाओं और कमजोर नागरिकों को अनियमित ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए के खतरों से बचाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में दायर की गई थी।

अंतरिक्ष की सैर के लिए हो जाएं तैयार! 2027 में स्पेस जाएगी मानव अंतरिक्ष उड़ान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने वर्ष 2025 को भारत के लिए गगनयान वर्ष घोषित किया है। इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने कहा कि अब तक 7200 अंतरिक्ष मिशन पूरे हो चुके हैं और भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा 3 हजार अन्य परीक्षण अभी भी लंबित हैं।

क्या है गगनयान वर्ष- कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए वी. नारायणन ने कहा, यह वर्ष हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण वर्ष है और इसे हमने गगनयान वर्ष घोषित किया है। मनुष्यों को अंतरिक्ष में भेजने से पहले हमने तीन मानवरहित मिशनों की योजना बनाई है और इस वर्ष पहला मानवरहित मिशन की योजना है।

क्या है स्पैडेक्स मिशन- वी. नारायणन ने स्पैडेक्स मिशन के पूरा होने पर खुशी जाहिर की और कहा कि इस मिशन को पूरा करने के लिए दस किलो ईंधन का प्रबंध किया गया था। उन्होंने यह भी बताया कि 2025 में कई मिशनों की योजना बनाई गई है, जिसमें नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार सैटेलाइट भी शामिल है, जिसे भारत के अपने प्रक्षेपण यान द्वारा लॉन्च किया जाएगा।

तुर्किये में कांग्रेस का दफ्तर, अमित मालवीय और अर्णब गोस्वामी को कर्नाटक HC से राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक हाई कोर्ट ने भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय और रिपब्लिक टीवी के प्रधान संपादक अर्णब गोस्वामी को राहत दी है। अदालत ने दोनों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगाई है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) द्वारा इस्तांबुल, तुर्किये में कार्यालय चलाने के झूठे दावों को फैलाने के आरोपों में यह कदम उठाया गया है। यह रोक तब तक प्रभावी रहेगी जब तक अगली सुनवाई नहीं होती।

अगली सुनवाई तक रहेगी रोक- जस्टिस एस. राचिया ने गुरुवार को मालवीय और गोस्वामी द्वारा दायर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया, जिसमें उन्होंने उनके खिलाफ दर्ज मामलों को रद करने की मांग की थी। यह रोक अगली सुनवाई तक प्रभावी रहेगी।

एक और मामले में आरोपी अमित मालवीय - बता दें कि मालवीय एक विवादास्पद इंटरनेट मीडिया पोस्ट के लिए भी अलग मामले का सामना कर रहे हैं, जिसमें उन्होंने एक मो?र्फ़्ड छवि साझा की थी, जिसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी का आधा चेहरा पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर के आधे चेहरे से मिला हुआ था।

220 जिंदगियां आसमान में फंसी, लेकिन पाकिस्तान ने..., DGCA ने बताया इंडिगो में फंसे यात्रियों के साथ क्या हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से श्रीनगर जा रही इंडिगो की फ्लाइट को खराब मौसम के कारण टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा। विमान को भयंकर तूफान और ओलावृष्टि के कारण उड़ान भरने में काफी परेशानी हुई। इसके बाद पायलट ने लाहौर ATC से और इमरजेंसी लैंडिंग की परमिशन मांगी, लेकिन पाकिस्तान की तरफ से इजाजत नहीं दी गई

इस वजह से विमान की श्रीनगर में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान को 8,500 फीट प्रति मिनट की स्पीड से नीचे उतरना पड़ा। DGCA ने इसकी जानकारी दी है।

पायलट ने लाहौर एअर फिक कंट्रोल से पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल करने की अनुमति मांगी। हालांकि, पाकिस्तान की ओर से इसके लिए इनकार कर दिया गया।

DGCA ने बताया क्या हुआ- नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, इंडिगो विमान 6E-2142 की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। यह संसद सदस्यों सहित 220 से अधिक यात्रियों को लेकर 36,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था, तब यह भारत-पाकिस्तान सीमा के करीब पठानकोट के पास खराब मौसम के कारण फंस गई। डीजीसीए ने बताया, खराब मौसम के कारण पायलट ने पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में प्रवेश का अनुरोध किया था, उस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया गया।

कम हुई विमान की स्पीड- इसके बाद पायलट ने श्रीनगर ञ्रष्ट को अलर्ट भेजा। तुरंत सभी रडार एक्टिव मोड में आए और इसकी सुरक्षित लैंडिंग कराई।

डीजीसीए के आकलन से पुष्टि होती है कि विमान को एंगल ऑफ अटैक (एओए) दोष का सामना करना पड़ा जबकि कानून सुरक्षा खो गई थी। फ्लाइट की उतरने की दर 8500 एफपीएम (फुट प्रति मिनट) तक पहुंच गई और क्रू ने ओलावृष्टि से बाहर आने तक विमान को मैन्युअल में उड़ाया।'

अंडमान सागर के ऊपर दो दिन के लिए एअर स्पेस बंद, नोटाम हुआ जारी; मिसाइल या हथियार प्रणाली की हो सकती टेस्टिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अंडमान सागर के ऊपर एअर स्पेस बंद करने का एलान करते हुए एक नोटाम जारी किया है। ये केवल कुछ विशेष क्षेत्रों के लिए जारी हुआ है। यह नोटाम आज 23 मई से 24 मई की सुबह 7 बजे से 10 बजे तक प्रभावी रहेगा। यह क्षेत्र लगभग 500 किलोमीटर लंबा है और सभी ऊंचाई स्तरों पर नागरिक विमानों के लिए बैन किया गया है। यहां मिसाइल या हथियार प्रणाली का टेस्ट हो सकता है।

भारतीय प्राधिकारियों की तरफ से हाल ही में जारी नोटिस टू एयरमेन के अनुसार, किसी भी नागरिक विमान को किसी भी ऊंचाई पर एअर स्पेस का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

क्या होता है नोटाम - नोटाम का मतलब एयरमेन को नोटिस है। यह नोटिस पायलटों को जारी किया जाता है, जिनमें उन्हें संभावित खतरों के बारे में जानकारी दी जाती है ताकि ट्रेनिंग के दौरान किसी भी तरह का नुकसान नहीं हो। नोटाम दूससंचार के जरिए विमानन प्राधिकरणों के पास दाखिल किए जाते हैं। बता दें ऐसा पहली बार नहीं है कि नोटम जारी हुआ हो, इससे पहले भी कई बार नोटाम जारी किया जा चुका है।

सैन्य अभ्यासों और हथियारों के टेस्ट लिए जारी किए गए पिछले नोटाम की समीक्षा से पता चलता है कि कई नोटिसों में अस्पष्टता थी। लेकिन इस नोटाम के स्थान और कुछ डिटेल को मिसाइल या हथियार प्रणाली टेस्ट के संकेत के रूप में समझा जा सकता है।

ब्रह्मोस मिसाइल का भी हुआ था टेस्ट- पिछले साल अप्रैल में भारत ने अंडमान में हवा से मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया था और मार्च 2022 में एक लॉन्च पैड से विस्तारित रेंज वाली ब्रह्मोस मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया था।

ग्राहकों को ग्रेवी मुफ्त में नहीं दी जानी चाहिए, केरल की एक अदालत ने फैसले में कही ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक स्थानीय उपभोक्ता अदालत ने फैसला सुनाया कि ग्राहकों को ग्रेवी मुफ्त में नहीं दी जानी चाहिए। वहीं, अदालत के इस फैसले के बाद केरल के कोच्चि में एक रेस्तरां मालिक ने राहत की सांस ली। दरअसल कानूनी लड़ाई तब शुरू हुई जब पिछले साल नवंबर में एक व्यक्ति ने यहां के एक रेस्तरां में परोटा और बीफ ऑर्डर किया था।

रेस्तरां और होटल भी अलग से ग्रेवी देते हैं- ज्यादातर जगहों पर, रेस्तरां और होटल भी अलग से ग्रेवी देते हैं। इस घटना को याद करते हुए, जिसके कारण लंबी कानूनी लड़ाई हुई, पर्सियन टेबल रेस्टोरेंट के मालिक ने कहा कि शुरू में जिस व्यक्ति ने परोटा और बीफ का ऑर्डर दिया था, उसने ग्रेवी नहीं मांगी थी।

रेस्टोरेंट के मालिक ने कहा कि बाद में, उसने कहा कि उसे ग्रेवी भी चाहिए। हमने कहा कि हम आम तौर पर ग्रेवी नहीं देते हैं, लेकिन अगर ऑर्डर ग्रेवी के साथ बीफ का है, तो हम देते हैं। उसने बहस शुरू कर दी, और हमने अपना रुख स्पष्ट कर दिया। हमारे रुख से नाखुश होकर वह चला गया।

बाद में हमें पता चला कि उसने स्थानीय अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराई थी, और वे हमारा निरीक्षण करने भी आए थे। जब कुछ नहीं हुआ, तो उसने उपभोक्ता अदालत में याचिका दायर कर दी।

ग्रेवी प्याज के बेस के साथ तैयार की जाती है- कुछ जगहों पर दी जाने वाली ग्रेवी प्याज के बेस के साथ तैयार की जाती है, जबकि कुछ जगहों पर बीफ डिश को करी के रूप में ही तैयार किया जाता है। चिकन और बीफ का स्वाद बढ़ाने के लिए लोग ग्रेवी लेना पसंद करते हैं।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः

उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

हिन्दकुश मीडिया

jagrayam.com
online news magazine

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण द्वादशी

संपादकीय

पूरी दुनियाँ जानती है कि भारतीय संस्कृति में अतिथि को देवता का स्थान दिया गया है....

पूरी दुनियाँ जानती है कि भारतीय संस्कृति में अतिथि को देवता का स्थान दिया गया है, इसीलिए ही भारत की नम्रता एक सिंबाल है अतिथि देवो भवः जो हमने भारत में जी-20 की मेज़बानी में खूब दिखाई, जिससे इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में आए करीब 200 देश के सैकड़ो मेहमानों जिसमें राष्ट्रपति से लेकर प्रधानमंत्री व प्रतिनिधि तक मेहमान नवाजी से खुश हो गए थे, और हो भी क्यों ना! क्योंकि अतिथि देवो भवः का गुण हमारे राष्ट्रपति पीएम से लेकर अंतिम पँक्ति के अंतिम व्यक्ति के हृदय में समाया हुआ है। मेरा मानना है कि निजी स्तरपर शायद इस अतिथि देवो भवः के गुण में हो सकता है कमी आ गई हो परंतु मैं दावे के साथ कर सकता हूं कि भारतीय शासकीय स्तरपर, विदेशी लीडर्स अफसर, मंत्री प्रतिनिधि जब ऑफीशियली भारत आते हैं तो राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री से लेकर मंत्रियों तक व उच्चस्तर के अधिकारियों से लेकर छोटे अधिकारियों तक भी इस प्रोटोकॉल का पालन करते है, व उस अतिथि को खूब मान सम्मान और उसकी सेवा की जाती है। हालांकि जस्टिस बीआर गवई 14 मई को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बनने के बाद 18 मई को पहली बार महाराष्ट्र गए थे। हालांकि, मुंबई में उन्हें स्टेट चीफ सेक्रेटरी, डीजीपी या मुंबई पुलिस कमिश्नर में से कोई भी रिसीव करने नहीं आए थे,जिसपर सीजेआई गवई ने नाराजगी जाहिर की थी। इस घटना के बाद महाराष्ट्र सरकार को काफी शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी। बाद में राज्य के कैबिनेट मंत्री और भाजपा के प्रदेश ने कहा कि उन्होंने प्रोटोकॉल में चूक के लिए राज्य सरकार की ओर से सीजे आई गवई से फोन पर माफी मांगी है। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि गुरुवार दिनांक 22 मई 2025 को देर शाम साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति रामाफोसा व अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में ऑफिशियल मीटिंग के समय तनातनी तीखी नोक झोक की किलिप्स सोशल इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल मीडिया पर जोरदार ढंग से वायरल हो रही है। ठीक वैसा ही व्यवहार व्हाइट हाउस में बीते दिनों फरवरी 2025 को यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी ऑफिशियल बातचीत तीखी बहस के रूप में परिवर्तित हो गई थी, इसके पूर्व 2017 में भी व्हाइट हाउस में ट्रंप व मर्केल के बीच मुलाकात के दौरान कैमरे के सामने ट्रंप नें हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था। मेरा मानना है कि यह अतिथि का अपमान है क्योंकि किसी को भी हम अपने शासकीय या निजी स्थान पर ऑफीशियली आमंत्रित करते हैं, न्योता देते हैं तो उसका मान सम्मान करना न केवल हमारा मानवीय धर्म है बल्कि प्रोटोकॉल भी है। चूँकि भारत का अतिथि देवो भवः बनाम अमेरिका का अतिथि अपमान भावः तथा यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बाद अब दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामाफोसा से ट्रंप की ऑन कैमरा नोक झोक क्या अपमान नहीं ?इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, विश्व के डिजिटल युग में भारतीय संस्कार संस्कृति व अतिथि देवो भवःजैसी अनेकों परंपराओं का संज्ञान लेकर अनुसरण करना आज समय की मांग है ?

साथियों बात अगर दिनांक 22 मई 2025 को देर शाम व्हाइट हाउस में रामाफोसा व ट्रंप के बीच ऑन कैमरा तथा कथित तनातनी व अपमान की करें तो,बुधवार को डॉनल्ड ट्रंप के बुलावे पर दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा अमेरिका दौरे पर पहुंचे थे, ये दौरा मुख्य रूप से दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने पर था, लेकिन मीटिंग के दौरान एक पत्रकार ने दक्षिण अफ्रीका में कथित श्वेत नरसंहार को लेकर मुद्दा उठा दिया, दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति ने इस सवाल का जवाब देने की कोशिश की, लेकिन ट्रंप ने इसके बाद जो किया उसने सभी को चौंका दिया, उन्होंने ओवल ऑफिस की लाइटें बंद करवा दी, ट्रंप दक्षिणी अफ्रीकी राष्ट्रपति को दक्षिण अफ्रीका में अश्वेत लोगों के खिलाफ हुए कथित आंदोलन के वीडियोज दिखाने लगे, डोनल्ड ट्रंप ने पहले से ही सारे वीडियोज को एडिट करवा के रखा था,यानें सिरिल रामफोसा को अपमानित करने की उनकी मंशा साफ-साफ दिख रही थी।

करतार सिंह सराभा

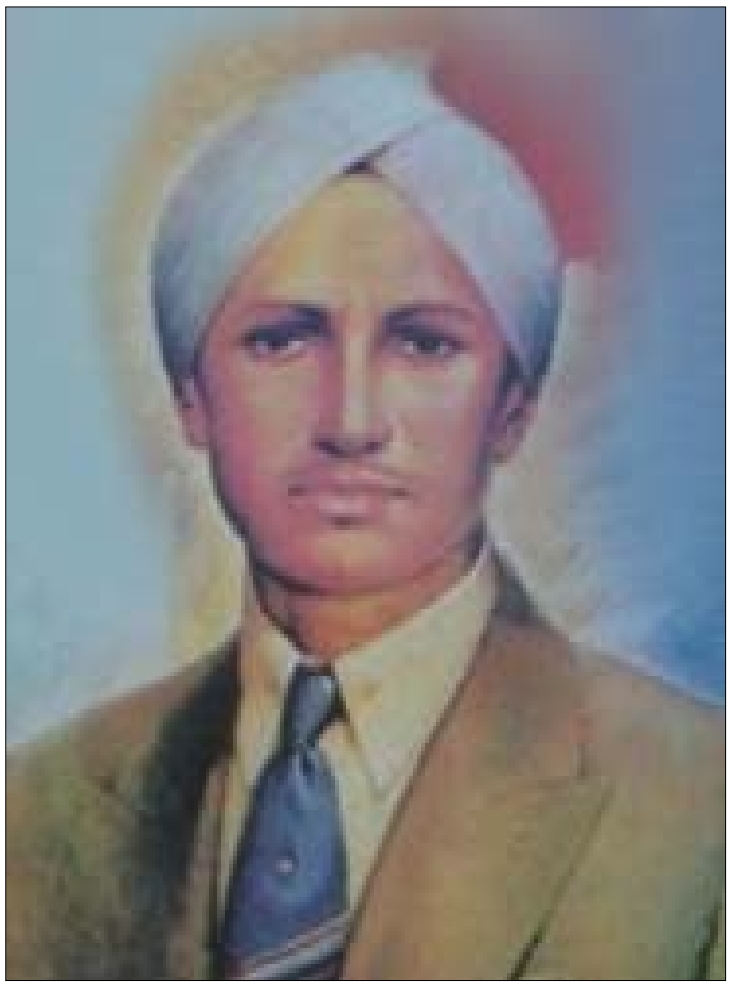

करतार सिंह सराभा भारत के प्रसिद्ध क्रान्तिकारियों में से एक थे। उन्हें अपने शौर्य, साहस, त्याग एवं बलिदान के लिए हमेशा याद किया जाता रहेगा। महाभारत के युद्ध में जिस प्रकार वीर अभिमन्यु ने किशोरावस्था में ही कर्तव्य का पालन करते हुए मृत्यु का आलिंगन किया था, उसी प्रकार सराभा ने भी अभिमन्यु की भाँति केवल उन्नीस वर्ष की आयु में ही हँसते-हँसते देश के लिए अपने जीवन का बलिदान कर दिया। उनके शौर्य एवं बलिदान की मार्मिक गाथा आज भी भारतीयों को प्रेरणा देती है और देती रहेगी। यदि आज के युवक सराभा के बताये हुए मार्ग पर चलें, तो न केवल अपना, अपितु देश का मस्तक भी ऊँचा कर सकते हैं।

जन्म तथा शिक्षा

करतार सिंह सराभा का जन्म पंजाब के लुधियाना ज़िले के सराबा नामक ग्राम में माता साहिब कौर के गर्भ से हुआ था। उनके पिता का नाम मंगल सिंह था, जिनके दो भाई थे- उनमें से एक उत्तर प्रदेश में इंस्पेक्टर के पद पर प्रतिष्ठित था तथा दूसरा भाई उड़ीसा में वन विभाग के अधिकारी के पद पर कार्यरत था। सराभा की एक छोटी बहन भी थी, जिसका नाम धन्न कौर था। उस समय उड़ीसा, बंगाल राज्य के अंतर्गत आता था। बाल्यावस्था में ही सराभा के पिता का स्वर्गवास हो गया था। उनके दादा बदन सिंह ने उनका तथा छोटी बहन का लालन-पालन किया था। सराभा ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा लुधियाना में ही प्राप्त की थी। नवीं कक्षा पास करने के पश्चात् वे अपने चाचा के पास उड़ीसा चले गये और वहीं से हाई स्कूल की परीक्षा पास की।

क्रांति का प्रभाव

1905 ई. के बंगाल विभाजन के विरुद्ध क्रांतिकारी आन्दोलन प्रारम्भ हो चुका था, जिससे प्रभावित होकर करतार सिंह सराभा क्रांतिकारियों में सम्मिलित हो गये। यद्यपि उन्हें बन्दी नहीं बनाया गया, तथापि क्रांतिकारी विचार की जड़ें उनके हृदय में गहराई तक पहुँच चुकी थीं।

लाला हरदयाल का साथ

1911 ई. में सराभा अपने कुछ सम्बन्धियों के साथ अमेरिका चले गये। वे 1912 में सेन फ़्राँसिस्को पहुँचे। वहाँ पर एक अमेरिकन अधिकारी ने उनसे पूछा ÷तुम यहाँ क्यों आये हो?÷ सराभा ने उत्तर देते हुए कहा, ÷मैं उच्च शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य से आया हूँ।÷ किन्तु सराभा उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके। वे हवाई जहाज बनाना एवं चलाना सीखना चाहते थे। अतः इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु एक कारखाने में भरती हो गये। इसी समय उनका सम्पर्क लाला हरदयाल से हुआ, जो अमेरिका में रहते हुए भी भारत की स्वतंत्रता के लिए प्रयत्नशील दिखे। उन्होंने सेन फ़्राँसिस्को में रहकर कई स्थानों का दौरा किया और भाषण दिये। सराभा हमेशा उनके साथ रहते थे और प्रत्येक कार्य में उन्हें सहयोग देते थे।

साहस की प्रतिमूर्ति

करतार सिंह सराभा साहस की प्रतिमूर्ति थे। देश की आज़ादी से सम्बन्धित किसी भी कार्य में वे हमेशा आगे रहते थे। 25 मार्च, 1913 ई. में ओरेगन प्रान्त में भारतीयों की एक बहुत बड़ी सभा हुई, जिसके मुख्य वक्ता लाला हरदयाल थे। उन्होंने सभा में भाषण देते हुए कहा था, ÷मुझे ऐसे युवकों की आवश्यकता है, जो भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण दे सकें।÷ इस पर सर्वप्रथम करतार सिंह सराभा ने उठकर अपने आपको प्रस्तुत किया। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच लाला हरदयाल ने सराभा को अपने गले से लगा लिया।

सम्पादन कार्य

इसी सभा में गदर नाम से एक समाचार पत्र निकालने का निश्चय किया गया, जो भारत की स्वतंत्रता का प्रचार करे। इसे कई भाषाओं में प्रकाशित किया जाये और जिन-जिन देशों में भारतवासी रहते हैं, उन सभी में इसे भेजा जाये। फलतः 1913 ई. में गदर प्रकाशित हुआ। इसके पंजाबी संस्करण के सम्पादक का कार्य सराभा ही करते थे।

योजना की असफलता

1914 ई. में जब प्रथम विश्व युद्ध प्रारम्भ हुआ, तो अंग्रेज़ युद्ध में बुरी तरह फँस गये। ऐसी स्थिति में ग़दर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सोचा और योजना बनाई कि यदि इस समय भारत में विद्रोह हो जाये, तो भारत को आज़ादी मिल सकती है। अतः अमेरिका में रहने वाले चार हज़ार भारतीय इसके लिए तैयार हो गये। उन्होंने अपना सब कुछ बेचकर गोला-बारूद और पिस्तोलें ख़रीदीं और जहाज में बैठकर भारत के लिए रवाना हो गये। उन लोगों में से एक सराभा भी थे। लेकिन कार्य पूर्ण होने से पूर्व ही भेद खुल जाने के कारण बहुत से लोगों को गोला-बारूद सहित मार्ग में एवं कुछ को भारत के समुद्री तट के किनारे पर पहुँचने से पूर्व ही बन्दी बना लिया गया। सराभा अपने साथियों के साथ किसी प्रकार से बच निकलने में सफल रहे। अब पंजाब पहुँचकर उन्होंने गुप्त रूप से विद्रोह के लिए तैयारियाँ आरम्भ कर दीं।

क्रांतिकारियों से भेंट

सराभा ने गुप्त रूप से क्रांतिकारियों से मिलने का निश्चय किया, ताकि भारत में विप्लव की आग जलाई जा सके। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु उन्होंने सुरेन्द्रनाथ बनर्जी, रासबिहारी बोस, शचीन्द्रनाथ सान्याल आदि क्रांतिकारियों से भेंट की। उनके प्रयत्नों से जालंधर की एक बगीची में एक गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें पंजाब के सभी क्रांतिकारियों ने भाग लिया। इस समय सराभा की आयु मात्र 19 वर्ष की थी। इस गोष्ठी में पंजाब के क्रांतिकारियों ने यह सुझाव दिया कि रासबिहारी बोस को पंजाब में आकर क्रांतिकारियों का संगठन बनाना चाहिए। फलतः रासबिहारी बोस ने पंजाब आकर सैनिकों का संगठन बनाया। इसी समय उन्होंने विद्रोह के लिए एक योजना भी बनाई। इस योजना के अनुसार समस्त भारत में फौजी छावनियाँ एक ही दिन और एक ही समय में अंग्रेज़ सरकार के विरुद्ध विद्रोह करेंगी।

सराभा ने लाहौर, फ़िरोजपुर, लायलपुर एवं अमृतसर आदि छावनियों में घूम-घूमकर पंजाबी सैनिकों को संगठित करके उन्हें विप्लव करने हेतु प्रेरित किया। वस्तुतः सराभा ने पंजाब की समस्त फौजी छावनियों में विप्लव की अग्नि प्रज्वलित कर दी थी।

पुनः असफलता

रासबिहारी बोस छद्म वेश में लाहौर में एक मकान में रहते थे। सराभा उनके पास मिलने के लिए आते-जाते रहते थे। योजना के अनुसार 21 फ़रवरी, 1915 ई. का दिन समस्त भारत में क्रांति के लिए निश्चित किया गया था। पर 15 फ़रवरी को ही भेद खुल गया। हुआ यह कि एक गुप्तचर क्रांतिकारी दल में सम्मिलित हो गया था। उसे जब 21 फ़रवरी को समस्त भारत में क्रांति होने के बारे में जानकारी मिली, तो उसने 16 फ़रवरी को उस भेद को ब्रिटिश सरकार के समक्ष प्रकट कर दिया। फलतः चारों ओर जोरों से गिरफ्तारियाँ होने लगीं। बंगाल तथा पंजाब में तो गिरफ्तारियों का तांता लग गया। रासबिहारी बोस किसी प्रकार लाहौर से वाराणसी होते हुए कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) चले गये और वहाँ से छद्म नाम से पासपोर्ट बनवाकर जापान चले गये।

गिरफ्तारी

रासबिहारी बोस ने लाहौर छोड़ने से पूर्व सराभा को क़ाबुल चले जाने का परामर्श दिया था। अतः उन्होंने क़ाबुल के लिए प्रस्थान कर दिया। जब वे वजीराबाद पहुँचे, तो उनके मन में यह विचार आया कि इस तरह छिपकर भागने से अच्छा है कि वे देश के लिए फाँसी के फंदे पर चढ़कर अपने प्राण निछावर कर दें। किसी ने ठीक ही लिखा है-

वीर मृत्यु से कभी न डरते,
हँस कर गले लगाते हैं,
फूलों की कोमल शैया समझ,
सूली पर सो जाते हैं।

ट्रंप के टैक्स बिल से सोलर कंपनियों पर गिरी गाज, 11% तक टूट गए शेयर, कंपनियों को झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। वॉल स्ट्रीट पर अमेरिकी सोलर और क्लीन एनर्जी कंपनियों के शेयर धड़ाम होने के बाद शुक्रवार को भारतीय सोलर कंपनियों के शेयरों में तेज गिरावट आई है। घरेलू सोलर कंपनियों के शेयर शुक्रवार को 11 पर्सेंट तक लुढ़क गए हैं। वारी एनर्जीज के शेयर शुक्रवार को BSE में 11 पर्सेंट की गिरावट के साथ 2666 रुपये पर पहुंच गए। वहीं, प्रीमियर एनर्जीज के शेयर क्च्स्श्व में 6 पर्सेंट से अधिक लुढ़ककर 1017.5 रुपये पर जा पहुंचे। अमेरिका की सबसे बड़ी रूफटॉप सोलर कंपनी सनरन, विंड और सोलर प्रोजेक्ट्स डिवेलप करने वाली दिग्गज अमेरिकी कंपनी नेक्स्टएरा एनर्जी जैसी क्लीन एनर्जी कंपनियों के शेयर एक ही कारोबारी सत्र में 7 से 37 पर्सेंट तक टूट गए। अमेरिकी सोलर कंपनियों के शेयरों में यह गिरावट न्यू टैक्स बिल की वजह से आई है। यूएस प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप की तरह से प्रस्तावित न्यू टैक्स बिल में इन कंपनियों को मिलने वाली फंडिंग खत्म करने की तैयारी है। इन कंपनियों को बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन के इनफ्लेशन रिडक्शन एक्ट के तहत फंडिंग मिलती थी। इसके अलावा, न्यू टैक्स बिल में वायु प्रदूषण, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन घटाने या इलेक्ट्रिक हेवी-ड्यूटी व्हीकल्स खरीदने के लिए दी जाने वाली सहायता को भी खत्म करने का प्रस्ताव है।

एक्सपोर्ट मार्केट में एक्सपोजर रखने वाली वारी एनर्जीज और प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड पर इस डिवेलपमेंट का असर पड़ सकता है। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही की शुरुआत में वारी एनर्जीज की ऑर्डर बुक करीब 47,000 करोड़ रुपये की थी, जिसमें एक्सपोर्ट मार्केट की हिस्सेदारी 57 पर्सेंट थी।

ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने अपने एक नोट में लिखा है कि ऐसे कदम यूटिलिटी स्केल और रूफटॉप इंस्टॉलेशंस को घटा सकते हैं। साथ ही, उसे अमेरिकी मार्केट में फोकस्ड वारी एनर्जीज की 57 पर्सेंट ऑर्डर बुक पर जोखिम नजर आता है। ब्रोकरेज हाउस ने यह भी कहा है कि यूएस एक्सपोर्ट ऑर्प्च्यूनिटीज उम्मीद से पहले ही घट रही हैं।

नुकसान के अब मुनाफे में लौटी कंपनी, शेयरों ने लगाई जोरदार छलांग, 16त्न से ज्यादा का उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुवार को मार्केट बंद होने के बाद Honasa Consumer Ltd. ने मार्च तिमाही के नतीजे घोषित किए, और शुक्रवार को इसके शेयरों में 12त्न की जोरदार छलांग लगी। ह्रस्श्च पर कंपनी के शेयर का भाव दिन भर में 14.12% बढ़कर 314 रुपये तक पहुंच गया। यह शेयर लगातार दूसरे दिन चढ़ाव में रहा और आज 16% से ज्यादा का उछाल दर्ज किया।

आज यह शेयर 285 रुपये पर खुला और देखते ही देखते 16.48 पर्सेंअ की उड़ान भरकर 320.50 रुपये पर पहुंच गया। इसका 52 हफ्ते का हाई 547 रुपये और लो 197.51 रुपये है। दो दिन में शेयर ने 20 पर्सेंट से अधिक की उड़ान भरी है।

कंपनी का रेवेन्यू पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 13त्न बढ़कर 533.5 करोड़ रुपये हुआ। यह बढ़त इसलिए खास है, क्योंकि बाकी स्नस्ष्टत्र कंपनियों ने इस दौरान सिर्फ सिंगल डिजिट ग्रोथ दर्ज की थी। यह सुधार कंपनी के ऑफलाइन व्यवसाय के पुनर्गठन (जुलाई-सितंबर 2024 से शुरू) का नतीजा माना जा रहा है।

सितंबर 2024 तिमाही में Honasa Consumer 18.5 करोड़ रुपये के नुकसान में थी। यह नुकसान Project नीव के तहत डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर मॉडल की शुरुआत और इन्वेंटरी में बदलाव की वजह से हुआ था। मार्च तिमाही में कंपनी ने 24.9 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया।

गोला-बारूद सप्लाई करने की बड़ी डील, अनिल अंबानी की कंपनी के शेयर बने रॉकेट, पहुंचे 300 रुपये के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को रॉकेट बन गए हैं। कंपनी के शेयर शुक्रवार को 10 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 313 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों का वॉल्यूम दोगुना से ज्यादा उछला है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में यह तेजी एक बड़े बिजनेस अपडेट के बाद आई है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर प्रमोटेड रिलायंस डिफेंस ने जर्मनी की हथियार बनाने वाली कंपनी राइनमेटल एजी के साथ एक समझौता किया है। यह समझौता आर्टिलरी शेल्स जैसे गोला-बारूद और विस्फोटकों की सप्लाई के लिए हुआ है। रिलायंस डिफेंस, महाराष्ट्र के रत्नागिरी में बनने वाली फैक्ट्री से गोला-बारूद की आपूर्ति करेगी।

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर प्रमोटेड रिलायंस डिफेंस के लिए यह तीसरी ऐसी साझेदारी है। इससे पहले, रिलायंस डिफेंस ने फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन और थेल्स ग्रुप के साथ डील की थी। रिलायंस डिफेंस रत्नागिरी के वाटड इंडस्ट्रियल एरिया में एक ग्रीनफील्ड मैन्युफैक्चरिंग प्लांट बनाएगी। इस फैसिलिटी को धीरूभाई अंबानी डिफेंस सिटी कहा जाएगा। इस प्लांट में सालाना 200,000 आर्टिलरी शेल्स, 10,000 टन विस्फोटक और 2000 टन प्रपेलन्ट तैयार करने की क्षमता होगी।

अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयर पिछले पांच साल में 1700 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 22 मई 2020 को 16.50 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 23 मई 2025 को 313 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। पिछले तीन साल में कंपनी के शेयरों में 200 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। वहीं, पिछले एक साल में रिलायंस इंफ्रा के शेयर 85 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 350.90 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 143.70 रुपये है।

गौतम अडानी करेंगे 1 लाख करोड़ और मुकेश अंबानी लगाएंगे 75000 करोड़, नॉर्थ ईस्ट के लिए खोला खजाना

रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुखिया मुकेश अंबानी ने बताया कि पूर्वोत्तर राज्यों में 75 करोड़ रुपये का निवेश का लक्ष्य रखा। अभी कंपनी का इन राज्यों में करीब 30 हजार करोड़ का निवेश है। वहीं, अडानी ग्रुप के मुखिया गौतम अडानी ने घोषणा की अगले 10 सालों में 1 लाख करोड़ रुपये का निवेश समूह पूर्वोत्तर राज्यों में करेगा। दोनों दिग्गज उद्योगपतियों ने दिल्ली के भारत मंडपम में चल रही राइजिंग नॉर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट इसकी घोषणा की।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को कहा कि अगले पांच वर्षों में रिलायंस इन राज्यों में करीब 45 हजार करोड़ रुपये का नया निवेश करने जा रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रस्तावित इंवेस्टमेंट्स से 25 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करेगा। जियो का जिक्र करते हुए मुकेश अंबानी ने कहा कि रिलायंस जियो का 5जी नेटवर्क पूर्वोत्तर राज्यों की करीब 90 फीसदी आबादी तक पहुंच गया है। 50 लाख लोग जियो 5जी नेटवर्क से जुड़े हैं और इस वर्ष यह संख्या दोगुनी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि रिलायंस रिटेल किसानों से सीधी खरीद का प्रयास करेगा। जिससे उनकी आय को बढ़ाया जा सके। पूर्वोत्तर के राज्यों में 350 बायोगैस प्लांट लगाने की बात मुकेश अंबानी ने कही।

रिलायंस फाउंडेशन सभी आठ राज्यों के साथ मिलकर ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करेगा, जिनसे ओलंपिक का सपना देखने को वाले एथलीट्स को फायदा मिल सके।

इस कंपनी को मिला 9000 करोड़ का काम, शेयर ने लगाई दौड़, 10% का अपर सर्किट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाजार की तूफानी तेजी के बीच बोंडाडा इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर भी डिमांड में थे। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को शेयर में 10त्न का अपर सर्किट लगा और भाव 425.05 रुपये पर पहुंच गया। शेयर में यह तेजी ऐसे समय में आई जब कंपनी ने आंध्र प्रदेश में 9,000 करोड़ रुपये का ऑर्डर हासिल करने की घोषणा की। बता दें कि शेयर के 52 हफ्ते का हाई 753.98 रुपये और 52 हफ्ते का लो 326 रुपये है।बोंडाडा इंजीनियरिंग ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में बताया कि आंध्र प्रदेश सरकार के ऊर्जा विभाग ने कंपनी को राज्य भर में अलग-अलग स्थानों पर एक सौर ऊर्जा परियोजना के आवंटन के लिए सरकारी ऑर्डर (जीओ) दिया है। कंपनी ने बताया कि आंध्र प्रदेश सरकार ने अनंतपुरमु और श्री सत्य साईं जिलों के कई स्थानों पर 2,000 मेगावाट एसी / 2,600 मेगावाट डीसी सौर ऊर्जा क्षमता का सौर ऊर्जा परियोजना अनुबंध बोंडाडा इंजीनियरिंग को आवंटित किया है।

श्री सत्य साईं जिले में परियोजना के लिए चुने गए स्थान रोड्डम और कोथाचेरुवु मंडल के गांव हैं। वहीं, अनंतपुरमु जिले से गूटी, पेड्डावदुगुर, विदापनकल्लू, पेड्डापपुर और नरपाला मंडल के गांव चुने गए हैं। सौर परियोजना के प्रस्तावों पर 15 मई, 2025 को आयोजित राज्य निवेश संवर्धन बोर्ड (एसआईपीबी) की बैठक में विचार किया गया, जिसके दौरान एसआईपीबी ने प्रस्तावित सौर ऊर्जा क्षमता के आवंटन को मंजूरी दी।

इसके साथ अब बोंडाडा इंजीनियरिंग की ऑर्डर बुक लगभग 14000 करोड़ तक बढ़ जाएगी। इसके अलावा, इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी को वित्त वर्ष 2029 से शुरू होने वाले आईपीपी से 1,160 करोड़ का राजस्व जोड़ने की उम्मीद है।

रिकॉर्ड ऊंचाई पर जहाज कंपनी के शेयर, 2000% उछला दाम, 25000 करोड़ रुपये से ज्यादा का मिला है ऑर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जहाज कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के शेयर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर शुक्रवार को 5 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 2898.40 रुपये पर जा पहुंचे हैं। जहाज कंपनी के शेयरों में लगातार तीसरे दिन तेजी है और पिछले 11 कारोबारी सत्रों में से 10 में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के शेयर चढ़े हैं। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के शेयर पिछले एक महीने में 66 पर्सेंट उछले हैं। जहाज कंपनी के शेयर इस साल 4 मार्च को 1180 रुपये के निचले स्तर पर थे। 52 कारोबारी सत्रों में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के शेयर इस लेवल से 143 पर्सेंट उछल गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 1148.10 रुपये है।

गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के शेयर पिछले पांच साल में 2000 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। जहाज कंपनी के शेयर 22 मई 2020 को 135.10 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 23 मई 2025 को 2,898.40 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। पिछले 4 साल में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के शेयरों में 1500 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

प्रदेश में ठंडी होगी नौतपा की शुरुआत, भोपाल, इंदौर, जबलपुर सहित 20 जिलों में होगी भारी बारिश

भोपाल। अरब सागर में गहरा कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। शनिवार को इसके अवदाब के क्षेत्र में बदलने की संभावना है। उधर, अलग-अलग स्थानों पर अन्य मौसम प्रणालियां भी बनी हैं। इस वजह से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा हो रही है।

शुक्रवार को सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक गुना एवं उमरिया में तीन, रतलाम में 0.1 मिलीमीटर वर्षा हुई। सबसे अधिक 41.6 डिग्री सेल्सियस तापमान खजुराहो में दर्ज किया गया।

मौसम विज्ञानियों के मुताबिक अधिकतम तापमान में भी गिरावट हो गई है। जिसके चलते नौतपा (25 मई से दो जून तक का समय) की शुरुआत ठंडी होने की संभावना है।

27 मई को बंगाल की खाड़ी में भी कम दबाव का क्षेत्र बनने जा रहा है, जिसके प्रभाव से प्रदेश में कई क्षेत्रों में मानसून पूर्व की अच्छी वर्षा होने के भी आसार हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी पीके रायकवार ने बताया कि वर्तमान में अरब सागर के दक्षिणी कोंकण तट के पास कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। यहां से एक द्रोणिका दक्षिण-मध्य महाराष्ट्र, दक्षिण मराठवाड़ा, उत्तरी तेलंगाना से दक्षिणी छत्तीसगढ़ तक बनी हुई है।इन जिलों में होगी जमकर बारिश

दक्षिणी हरियाणा और उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना हुआ है। मध्य पाकिस्तान और उसके आसपास भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। इस चक्रवात से लेकर उत्तरी राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश से उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश तक एक द्रोणिका मौजूद है।

इन मौसम प्रणालियों के असर से शनिवार को भोपाल, नर्मदापुरम, जबलपुर, शहडोल, इंदौर, उज्जैन संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा होने की संभावना है। विशेषकर जबलपुर एवं शहडोल संभाग में कहीं-कहीं भारी वर्षा भी हो सकती है।नौतपा में तपिश बढ़ने की संभावना कम मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि अरब सागर एवं बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी आ रही है। इस वजह से अभी चार-पांच दिन तक रुक-रुककर वर्षा का सिलसिला बना रह सकता है। इस वजह से नौतपा में तपिश बढ़ने की संभावना कम ही है।

पनीर, मावा, मिठाई से लेकर मिर्च पाउडर तक सब घटिया क्वालिटी का निकला, 13 दुकानों पर 16 लाख का जुर्माना

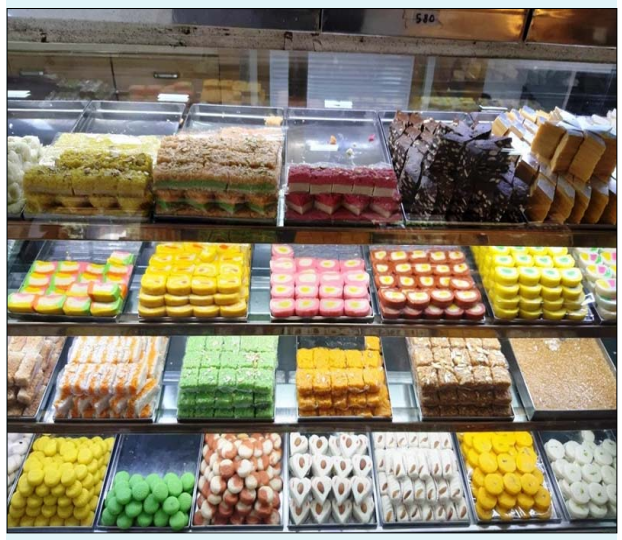

बुरहानपुर। अमानक स्तर के खाद्य पदार्थ बेचने और बिना लाइसेंस व्यापार करने के मामले में जिला प्रशासन ने तेरह प्रतिष्ठानों पर 16.30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। खाद्य एवं औषधि सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने गत दिनों विभिन्न दुकानों से मावा, मिठाई, पनीर, जलेबी, मिर्च पाउडर सहित अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र कर जांच के लिए प्रयोगशाला भोपाल भेजे थे। वहां से मिली रिपोर्ट में इनके अमानक व मिथ्या छाप पाए जाने पर विभाग ने प्रकरण दर्ज कर जिला प्रशासन को भेजे थे। कलेक्टर हर्ष सिंह के निर्देश पर अपर कलेक्टर वीर सिंह चौहान के कोर्ट ने प्रतिष्ठानों पर अर्थदंड लगाया है। अपर कलेक्टर न्यायालय ने सभी प्रतिष्ठानों को दो दिन के अंदर रोपित दंड की राशि जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। विलंब की स्थिति में संबंधित को दो गुना अर्थदंड भरना होगा।इन प्रतिष्ठानों पर लगाया जुर्माना

अपर कलेक्टर न्यायालय ने जिन प्रतिष्ठानों पर जुर्माना लगाया है, उनमें अमरावती रोड स्थित एसएस ट्रेडर्स पर बिना लाइसेंस व्यापार करने पर 30 हजार रुपये, शर्मा दूध डेयरी इकबाल चौक पर अमानक मावा बेचने पर दो लाख रुपये, दर्यापुर स्थित बीकानेर स्वीट्स द्वारा अमानक पेड़े बेचने पर डेढ़ लाख रुपये, कुंदन स्वीट्स चौक बाजार बुरहानपुर का बादाम बर्फी का नमूना मिथ्या छाप पाए जाने पर दो लाख रुपये, ड्राई फ्रूट्स बेचने वाले सुरेश एंड संस एमागिर्द द्वारा मिथ्या छाप दालचीनी बेचने पर डेढ़ लाख रुपये का अर्थदंड लगाया गया है।

इसी तरह वंदन डेयरी एंड आर्गेनिक कामर्स इंदिरा कालोनी द्वारा अमानक पनीर बेचने परएक लाख, अजीज होटल मंडी बाजार द्वारा अमानक पेड़ा बेचने पर दो लाख, रविशी किराना एंड जनरल स्टोर्स दहीनाला पर एक लाख, राहुल ट्रेडिंग कंपनी सिंधीबस्ती द्वारा अमानक मिर्ची बेचने पर 30 हजार रुपये, अनीश कुरैशी द्वारा बिना लाइसेंस के व्यापार करने पर 20 हजार रुपये, न्यू हरियाली गार्डन फैमली रेस्टोरेंट राधे कृष्ण होटल के पास अमरावती रोड पर बिना लाइसेंस होटल चलाने पर 50 हजार रुपये, संजय ढाबा एंड फैमली रेस्टोरेंट अमरावती रोड द्वारा आमनक पनीर बेचने पर दो लाख और गीता स्वीट्स शनवारा द्वारा मिथ्या छाप मावा जलेबी बेचे जाने पर दो लाख रुपये का अर्थदंड लगाया गया है।

मंत्री विजय शाह ने तीसरी बार मांगी माफी, बोले- यह मेरी भाषाई भूल थी; कर्नल सोफिया को बताया था आतंकियों की बहन

भोपाल। ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देशवासियों को देने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी पर अनर्गल टिप्पणी कर चौतरफा घिरे मध्य प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने तीसरी बार माफी मांगी है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित एसआइटी की जांच के बीच उन्होंने पत्र, वीडियो और ऑडियो संदेश जारी कर माफी मांगी है।विजय शाह ने पत्र लिख मांगी माफी

बिना किसी को संबोधित करते हुए विजय शाह ने पत्र की शुरुआत %जय हिंद% से की है। अपने लैटर हेड पर 22 मई को जारी पत्र में उन्होंने लिखा है कि पिछले दिनों पहलगाम में हुए जघन्य हत्याकांड से मैं मन से बहुत विचलित और दुखी हूं। मेरा राष्ट्र के प्रति अपार प्रेम और भारतीय सेना के प्रति आदर एवं सम्मान हमेशा से रहा है। मेरे द्वारा कहे गए शब्दों से समुदाय, धर्म और देशवासियों को दुख पहुंचा है, यह मेरी भाषाई भूल थी।

विजय शाह ने आगे लिखा कि मेरा आशय किसी भी धर्म, जाति एवं समुदाय को ठेस पहुंचाने का नहीं था। मैं भूलवश अपने द्वारा कहे गए शब्दों के लिए भारतीय सेना, बहन सोफिया से और सभी देशवासियों से पूरी तरह क्षमा प्रार्थी हूं और फिर से हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं।

दो बार और मांग चुके हैं माफी

इससे पहले विजय शाह ने टिप्पणी पर विवाद बढ़ने के बाद 13 मई को मीडिया से चर्चा में और अगले दिन 14 मई को वीडियो जारी कर माफी मांगी थी।

कर्नल को बताया था आतंकियों की बहन

बता दें, विजय शाह ने इंदौर जिले के मानपुर क्षेत्र में 11 मई विवादित बयान दिया था। उन्होंने एक सभा में कर्नल सोफिया कुरैशी को पाकिस्तानी आतंकवादियों की बहन बता दिया था। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने इस पर स्वतः संज्ञान लेते हुए विजय शाह के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने बयान पर की थी कड़ी टिप्पणी

इसके खिलाफ विजय शाह सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। सुप्रीम कोर्ट ने विजय शाह पर कड़ी टिप्पणी करते हुए मामले की जांच तीन आइपीएस अधिकारियों की एसआइटी से करवाने के निर्देश दिए थे। एसआइटी को 28 मई तक सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट प्रस्तुत करना है।

विजय शाह के बयान से नाराज है पार्टी

विजय शाह के बयान से पार्टी का केंद्रीय व प्रदेश नेतृत्व बहुत नाराज है। कांग्रेस भी इसे बड़ा मुद्दा बनाकर विजय शाह का त्यागपत्र मांग रही है। विजय शाह का मंत्री पद जाने से लेकर गिरफ्तारी तक की आशंका बनी है। ऐसे में डैमेज कंट्रोल के लिए उन्होंने फिर माफी मांगी है।

भोपाल के करीब बैरागढ़ में कार दुर्घटना में तीन युवकों की मौत, पेड़ से टक्कर के बाद लैंप पोस्ट में घुसी

भोपाल । भोपाल के करीब बैरागढ़ में चिरायु अस्पताल के पास गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात दो बजे एक कार दुर्घटना का शिकार हो गई। हादसे में उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई और एक युवक घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक कार तेज रफ्तार में थी और पेड़ से टकराते हुए लैंप पोस्ट में घुस गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें तीनों युवकों के शव कार के अंदर दिखाई दे रहे हैं।

खजूरी सड़क पुलिस थाना इलाके में हुए इस हादसे में वीडियो में कुछ लोग इस बात की शिकायत भी करते नजर आ रहे है कि कई बार सूचना देने के बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची है। बैरागढ़ के असिस्टेंट कमिश्नर आदित्य राज सिंह ठाकुर के अनुसार तीन युवकों की मौत हुई है, जिनकी उम्र 25 से 30 साल के बीच है। चौथे युवक गंभीर रूप से घायल है और उसका अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

मैं बहुत तनाव में हूं, मेरी बॉडी का पीएम मत करना , सुसाइड नोट लिखकर अतिथि शिक्षक ने लगाई फांसी

शहपुरा। जिले की तहसील मुख्यालय शहपुरा निवासी अतिथि का शुक्रवार की सुबह तहसील कार्यालय के पीछे चमरकुंडी में आम के पेड़ में लटका शव मिलने से सनसनी फैल गई। जानकारी में बताया गया कि आर्थिक तंगी से जूझ रहे अतिथि शिक्षक ने यह कदम उठाया है।

उसके पास से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उसने उल्लेख किया है कि मैं बहुत तनाव में हूं। मेरे कारण किसी को परेशानी न हो। मेरी बॉडी का पोस्टमार्टम न कराया जाए। थाना प्रभारी ने बताया गया कि गुरुवार की रात शहपुरा के वार्ड क्रमांक एक निवासी सियोल राय पिता डीके राय 38 वर्ष घर से निकला था।

रात भर वापस नहीं आया। सुबह उसका शव फांसी पर लटका मिला। बताया गया कि 5 साल पहले उसके पिता भी घर छोड़कर दूसरे जगह चले गए हैं, जबकि मां घर में गंभीर बीमारी से जूझ रही है। ऐसे में इकलौते बेटे के फांसी लगाने से पूरा परिवार प्रभावित हुआ है।

बताया गया कि गर्मी में अवकाश के चलते सरकारी स्कूल की छुट्टी है। ऐसे में मृतक आर्थिक तंगी से भी जूझ रहा था। पुलिस की मानें तो वह नशा करने का भी आदी था। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मामला कायम कर जांच शुरू कर दी है।

इंदौर-पीथमपुर इकॉनामिक कॉरिडोर के लिये भू-धारकों से सहमति पत्र लेने का कार्य तेजी से जारी

कलेक्टर आशीष सिंह ने ली प्रगति की समीक्षा बैठक

इंदौर। इंदौर-पीथमपुर इकोनामिक कॉरिडोर विकास के लिये भू-धारकों से सहमति लेने का कार्य तेजी से जारी है। भू-धारक सहमति पत्र देने के लिए तेजी से आगे आ रहे हैं। इस कार्य को और अधिक गतिशील तथा प्रभावी बनाने के लिए कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज यहां संबंधित विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने निर्देश दिए की भू-धारकों से सहमति पत्र लेने के कार्य को और अधिक गति देते हुए शीघ्र पूरा किया जाए।

बैठक में एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक श्री हिमांशु प्रजापति सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए की इंदौर-पीथमपुर इकोनामिक कॉरिडोर के विकास के संबंध में समयबद्ध प्रक्रिया के अनुसार कार्य किये जाए। सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के प्रयास हों। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा के सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। बैठक में बताया गया कि कॉरिडोर में आने वाले अधिकांश गांवों में सहमति बनाने का कार्य लगभग पूरा हो गया है, शेष दो-तीन गांवों में भी सहमति बनाने का कार्य लगभग इसी सप्ताह पूरा कर लिया जाएगा। बताया गया कि सहमति बनाने के कार्य को गति देने के लिये सोनवाय, भेसलाय तथा नैनोद ग्राम में इसी सप्ताह विशेष शिविर लगाये जायेंगे। शिविर में जिला प्रशासन, राजस्व, एमपीआईडीसी आदि विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिये कि ग्रामीणों से सीधा संवाद करें। वास्तविक स्थिति बताएं। भ्रम दूर करें। अधिक से अधिक भू-धारको से सहमति पत्र प्राप्त करें। बैठक में बताया गया कि इंदौर-पीथमपुर इकोनामिक कॉरिडोर में आ रहे आबादी की संरचना को शामिल नहीं किया जाएगा। साथ ही जिस गांव में जमीन की सहमति बनी हैं, भू-धारक को उसी गांव में जमीन दी जाएगी।

ओंकारेश्वर में एकात्म धाम के बाद अब अद्वैत लोक, बोटिंग, लेंजर शो होंगे,दो हजार करोड़ होंगे खर्च

इंदौर। ओंकारेश्वर में आकार ले रहे अद्वैत लोक में शंकराचार्य की मूर्ति तो स्थापित हो चुकी है, लेकिन अब प्रोजेक्ट को पूरी तरह मूर्त रुप देने के लिए सरकार दो हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके लिए हाल ही में कैबिनेट बैठक में मंजूरी भी मिल चुकी है। वहां फोर डी गैलरी, लेजर शो, अद्वैत घाट पर बोटिंग, संग्रहाल सहित कई काम होंगे। सरकार की मंशा है कि इससे धार्मिक पर्यटन और बढ़ेगा।

योजना के पहले चरण में नर्मदा घाट के किनारे एकात्मधाम में 108 फीट ऊंची शंकराचार्य की मूर्ति लगाई जा चुकी है। अब दूसरे चरण में नर्मदा के घाटों पर सनातन की परंपरा को मूर्तियों से दशार्या जाएंगे। घाटों पर भगवान सदाशिव, वेदव्यास सहित अन्य संतों की प्रतिमा लगेगी। इस घाट विशेष घाट का अवलोकन एक समय में एक नौका में डेढ़ सौ से ज्यादा पर्यटक ले सकेंगे। इसके अलावा एक इनडोर लाइट एंड साउंड शो भी रहेगा। उसमें मूर्तियां व भरपूर लाइट व साउंड इफेक्ट होंगे। वाटर शो भी होगा।

कलाग्राम भी होगा तैयार- ओंकारेश्वर में एक कलाग्राम भी तैयार होगा। जहां मध्य प्रदेश के अलावा देश भर की कला और शिल्पों को प्रदर्शन होंगा और विक्रय केंद्र भी बनेंगे। 700 लोगों की क्षमता का एक हॉल भी बनेगा। जिसे अन्नपूर्णा परिसर का नाम दिया जाएगा। जहां भक्तों को भोजन मिल सकेगा।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने लैब टेक्नीशियन सुषमा शर्मा को किया सम्मानित

इंदौर। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने इंदौर जिले में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत उल्लेखनीय कार्य करने पर लैब टेक्नीशियन श्रीमती सुषमा शर्मा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. सैत्या ने बताया कि जिला क्षय उन्मूलन केंद्र मल्हारगंज में पदस्थ श्रीमती सुषमा शर्मा को प्रदेश में सर्वाधिक टी.बी. मरीजों के नमूनों की जाँच के लिए सम्मानित किया गया है। बताया गया कि वर्ष 2024 में 6 हजार 400 स्फुटम् परीक्षण के वार्षिक लक्ष्य के विरुद्ध 10 हजार 408 टी.बी. मरीजों के स्फुटम् की जांच की गई, जो कि 162 प्रतिशत है। श्रीमती सुषमा शर्मा को इस उपलब्धि पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला क्षय अधिकारी एवं समस्त कार्यक्रम अधिकारियों ने बधाई दी।

उत्कृष्ट विद्यालय, बाल विनय मंदिर में 'हल्ला-गुल्ला' नाट्य शिविर का समापन हुआ

इंदौर। उत्कृष्ट विद्यालय, बाल विनय मंदिर में बाल कलाकारों की दो नाट्य प्रस्तुतियों 'समाधान और रोबो टीचर,माय फ्रेंड' के साथ ही 'हल्ला-गुल्ला' नाट्य शिविर का समापन हुआ। नाट्य प्रस्तुतियों में 35 बच्चों ने हिस्सा लिया। शुभारंभ एडीएसपी (क्राइम) राजेश दंडोतिया, लेखक और निर्देशक संदीप श्रोत्रिय ने किया। कार्यक्रम में बतौर अतिथि स्टेट प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री प्रवीण कुमार खारीवाल और मालवी भाभी के नाम से ख्यात, श्रीमती प्रतीक्षा जैन नैयर भी मौजूद रहीं। आयोजन में शहर के कई प्रमुख रंगकर्मी और कलाकार भी शामिल हुए। स्वागत

सर्वश्री तपन मुखर्जी, सुशील जौहरी, शेखर पाठक, राकेश साहू, शकील अखूतर, परशुराम तिवारी, सीमा व्यास, मंजू शर्मा आदि ने किया।

समझें ख़रगोश और कछुए की कहानी- श्री संदीप श्रोत्रिय ने अपने सम्बोधन में खरगोश और कछुए के साथ ही राजा विक्रमादित्य की कहानियां सुनाईं। उन्होंने कहा, हमें इन कहानियों की जागरूक दृष्टि से समझने की ज़रूरत है, ताकि हम एक बेहतर और सुविचारित समाज की कल्पना कर सकें। श्री प्रवीण कुमार खारीवाल ने स्व.आशा कोटिया के योगदान को याद किया और उन्होंने 'हल्ला-गुल्ला' के आयोजन के माध्यम से बच्चों के रंगकर्म प्रशिक्षण की सराहना की। श्रीमती प्रतीक्षा जैन नैयर ने बच्चों से कहा, हम अपनी कला, परंपरा और संस्कृति को महत्व देकर, इसे आगे बढ़ाने का काम करें।

राजवाड़ा के सामने अहिल्या बाई की प्रतिमा लगाने में लगे थे 36 साल, इतने साल रहा शासन

इंदौर। देवी अहिल्या बाई के जन्म का त्रिशताब्दी समारोह जोर-शोर से मनाया जा रहा है। इंदौर रियासत में होलकर राजाओं की शासन अवधि 220 वर्ष 22 दिन रही। इसमें अहिल्या बाई ने 28 वर्ष 5 माह 17 दिन राजपाठ संभाला था। इस मान से होलकर काल के करीब 14 प्रतिशत समय पर देवी अहिल्या बाई होलकर ने राज किया था। हालांकि, यह भी चौंकाने वाली सचाई है कि इंदौर के ऐतिहासिक राजवाड़ा चौक पर उनकी प्रतिमा लगाने में 36 साल का वक्त लगा था। उस वक्त भी अतिक्रमण इसमें बाधक बना था।

राजधानी महेश्वर, इंदौर था सैन्य छावनी - दरअसल, देवी अहिल्या बाई होलकर ने अपनी राजधानी खरगोन जिले में स्थित महेश्वर बनाई थी और इंदौर एक सैनिक छावनी के रूप में अस्तित्व में था। 1818 में हुई मंदसौर संधि के पश्चात इंदौर राजधानी बना और नगर के छावनी क्षेत्र के रेसीडेंसी एरिया में एजीजी (एजेंट टू गवर्नर जनरल) का ऑफिस स्थापित हुआ था, जो मध्यभारत की रियासतों पर नियंत्रण का कार्य करता था।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी आशीष सिंह ने आपराधिक प्रवृत्ति में लिप्त 6 आरोपियों को किया जिलाबदर

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री आशीष सिंह ने इंदौर जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी कार्रवाई करते हुए लम्बे समय से अपराधिक गतिविधियों में संलग्न 6 आरोपियों को जिलाबदर कर दिया है। इन्हें 6-6 माह के लिए जिलाबदर किया गया है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा जिन अपराधियों को जिलाबदर किया गया है उनमें महू थाना क्षेत्र के लालजी बस्ती निवासी प्रदीप पिता सियाराम तथा पिन्टू उर्फ जुग्ना पिता प्रदीप वर्मा, बड़गोंदा थाना क्षेत्र के मलेंडी निवासी योगेन्द्र पिता सत्यनारायण बनारसी, किशनगंज थाना क्षेत्र के काकड़पुरा महू गांव निवासी राहुल पिता ओमप्रकाश लोध, खुडैल थाना क्षेत्र के देवगुराड़िया निवासी रितिक उर्फ परवेश पिता हरीश गोस्वामी तथा दुधिया निवासी अमन पिता दौलत कौशल शामिल है। उक्त सभी आरोपी लम्बे समय से अपराधिक गतिविधियों में संलग्न है। इनके विरूद्ध विभिन्न थाना क्षेत्रों में आम जनता के साथ मारपीट करना, जान से मारने की धमकी देना, गाली गलौच करना, मादक पदार्थ पीना, अवैध शराब बेचना, हत्या का प्रयास करना, साथियों के साथ मिलकर बलवा करना, अवैध हथियार रखना, जमीन पर कब्जा करना आदि प्रकरण पंजीबद्ध है।

हाई स्कूल उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को पॉलिटेक्निक संस्थाओं में संचालित डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रेरित करें- संभागायुक्त

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने इंदौर संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने जिले के हाई स्कूल उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को पॉलिटेक्निक संस्थाओं में संचालित डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रेरित करें। आज का युग विज्ञान एवं तकनीक का युग है। कौशल विकास के क्षेत्र में तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस मायने में पॉलिटेक्निक संस्थाओं में संचालित डिप्लोमा पाठ्यक्रम एक बेहतर विकल्प है। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि हाल ही में मध्यप्रदेश बोर्ड/ सीबीएसई/ आईसीएसई द्वारा 10वीं के परीक्षा परिणाम घोषित किये जा चुके है। प्रदेश स्थित पॉलिटेक्निक संस्थाओं में संचालित डिप्लोमा पाठ्यक्रम के माध्यम से कौशल विकास एवं तकनीक की राह पर विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए पॉलिटेक्निक ही सबसे बेहतर विकल्प है। प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए तकनीकी क्षेत्र में रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध है। फॉलबैक के तहत डिप्लोमा को 12वीं कक्षा की समतुल्यता के संबंध में कार्यवाही प्रचलन में होने के साथ-साथ विद्यार्थी डिप्लोमा उत्तीर्ण करने के बाद इंजीनियरिंग क्षेत्र में भी उच्च अध्ययन के लिए बी.टेक पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष में प्रवेश प्राप्त कर सकते है।

इंदौर जिले में वृक्षारोपण का चलेगा सघन अभियान

तैयारियां प्रारंभ- कलेक्टर आशीष सिंह ने ली समीक्षा बैठक

इंदौर। इंदौर जिले में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मानसून के दौरान वृक्षारोपण का सघन अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान की व्यापक तैयारियां प्रारंभ हो गई है। अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ जन आंदोलन बनाया जायेगा। अभियान के तहत वृक्षारोपण के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार की जा रही है। जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित कर इस कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया जायेगा। प्रारंभिक रूप से जिले में 20 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है। हरित इंदौर बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय भी लिये गये है। इसके तहत इंदौर में अब कॉलोनी

विकास की अनुमति के साथ 10 प्रतिशत क्षेत्र में हरित क्षेत्र विकसित करने की शर्त भी जोड़ी जायेगी। इस 10 प्रतिशत में से ढ़ाई प्रतिशत क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण करना जरूरी होगा। उक्त कार्य होने के पश्चात कॉलोनी पूर्णता का प्रमाण-पत्र दिया जायेगा। साथ ही ऐसे संगठन और संस्थाएं जो वृक्षारोपण करना चाहती है, उन्हें भूमि भी चिह्नित कर वृक्षारोपण के लिए दी जायेगी। इसकी सूची नगर निगम के 311 ऐप पर उपलब्ध रहेगी।

यह जानकारी आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा ली गई समीक्षा बैठक में दी गई। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार, वनमंडलाधिकारी श्री प्रदीप मिश्रा सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

बेगमबाग क्षेत्र में निगम अमले ने तोड़ा अवैध निर्माण

उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा योजना अन्तर्गत लीज पर आवंटित प्लाटों पर लीज समाप्त होने तथा नियमों का उल्लघन करने पर जिला प्रशासन ने की प्रातः 04. बजे से संयुक्त कार्यवाही

उज्जैन। उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा योजना अन्तर्गत बेगमबाग क्षेत्र के दोनो और रहवासीय उपयोग हेतु प्लाटों का लीज पर आवंटन किया गया है उपरोक्त लीज के समाप्त होने तथा लीज के नियमों का उल्लघन पाए जाने पर शुक्रवार प्रातः 04.00 बजे से जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस प्रशासन एवं उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा न्यायालय आदेश यूडीए के पक्ष में आने पर दो भवनो को तोड़े जाने की कार्यवाही की गई।

कार्यवाही आयुक्त श्री आशीष पाठक के निर्देशानुसार अपर आयुक्त श्री पवन कुमार सिंह, उपायुक्त श्री योगेंद्र सिंह पटेल, श्री संजेश गुप्ता, श्रीमती कृतिका भीमावत, सहायक आयुक्त श्री प्रदीप सेन, जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में निगम अतिक्रमण, अमले द्वारा निगम संसाधनों 03 पोकलेन मशीन, 08 जेसीबी एवं 10 डंपर के माध्यम से की गई।

खिलाड़ी राष्ट्र की प्रगति के मजबूत आधार स्तंभ है- एसपी प्रदीप शर्मा

उज्जैन। खेल एवं युवक कल्याण विभाग द्वारा उज्जैन जिले में विभिन्न खेलों के प्रशिक्षण का विशिष्ट आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत विभिन्न तहसीलों एवं उज्जैन शहर के 3000 से भी अधिक नवीन खेल प्रतिभाओं ने खेल प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

खेल एवं युवक कल्याण विभाग द्वारा आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि जिला खेल प्रमुख पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा थे। प्रदीप शर्मा ने खिलाड़ियों के मनोबल में अभिवृद्धि करते हुए कहा कि खिलाड़ी देश की आन-बान और शान होते हैं। शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं सफल युवा पीढ़ी राष्ट्र की एकता की मजबूत रीढ़ होती है। खेल प्रशिक्षकों ने श्रम, निष्ठा व अनुशासन के साथ नवीन खेल प्रतिभाओं का विभिन्न खेलों में उदय किया है। वह प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय है। आगामी समय में ऊर्जावान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की खेल रुचि के कारण उज्जैन के खेल मैदान में युवा तरुणाई की फसल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तिरंगा लहरायेगी। इस अवसर पर उज्जैन जिला शरीर सौष्ठव संस्था के पदाधिकारी शैलेंद्र व्यास स्वामी मुस्कुराके एवं पूर्व मिस्टर इंडिया सिविल सर्विसेज जितेंद्र सिंह कुशवाहा, पंजा कुश्ती के होनहार सब जूनियर खिलाड़ी पार्थ कुशवाहा का विशिष्ट अभिनंदन किया। समारोह का संचालन जिला क्रीड़ा अधिकारी ओ पी हारोड़ ने किया।

दो पहिया वाहन रैली में केसरिया पताकाऐं फहरायेंगी

उज्जैन। आगामी महाराणा प्रताप जयंती 29 मई 2025 गुरुवार की शाम 4 बजे से महाराणा प्रताप प्रतिमा,चामुंडामाता चौराहे से शौर्य यात्रा निकलेगी इसके पूर्व 24 मई 2025 शनिवार की शाम 4 बजे महाराणा प्रताप प्रतिमा,चामुंडामाता चौराहे से निकलने वाली दुपहिया वाहन रैली में केसरिया पताका में फहरायेंगी जिसको अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री-अनिलसिंह चंदेल तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य-ठाकुर हरदयालसिंह एडवोकेट झंडी बताकर रवाना करेंगे । दोपहिया वाहन रैली का नेतृत्व युवावीग के प्रदेशाध्यक्ष-विजयसिंह गौतम, युवावीग के प्रदेश सचिव-दर्शन ठाकुर,युवावीग के संभागीय अध्यक्ष-राजा ठाकुर आदि।

मुख्यमंत्री से मुलाकात कर पेंशनर्स का एक सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

उज्जैन। मध्यप्रदेश में सर्वप्रथम प्रमुख पेंशनर्स ऐसोसिएशन जिला उज्जैन ने शमशेर सिंह तोमर उप प्रांताध्यक्ष, कोमल भुतड़ा संभागीय अध्यक्ष एवं अशोक दुबे जिला अध्यक्ष की अगुवाई में माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश सरकार को उज्जैन में देवास रोड़ स्थित शासकीय मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचकर मुलाकात की। माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का संगठन की ओर से सांगठनिक सम्मान पट्टिका (अंगवस्त्र) एवं मोतीमाला से स्वागत किया गया।

माननीय को मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 परिशिष्ट 6 को विलोपित करने संबंधी एक सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री से चर्चा कर प्रस्तावित बीमा योजना में पेंशनर्स को शामिल करने पर धन्यवाद ज्ञापित किया। माननीय मुख्यमंत्री ने संगठन की तरफ से श्री कोमल भुतड़ा संभागीय अध्यक्ष द्वारा रखी गए बातों को ध्यान पूर्वक सुना। यह मुलाकात माननीय विधायक उज्जैन उत्तर श्री अनिल जैन कालूहेड़ा के सौजन्य से हुई। संगठन ने उनका आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर संगठन के मंजुलता भाटी जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, चंद्रशेखर जोशी जिला सचिव, सत्यपाल सिंह सिकरवार, रामदयाल शर्मा, डॉ स्वामीनाथ पांडेय मिडिया प्रभारी, शोभा पाठक, सावित्री मंडलोई, नरेन्द्र पाठक, जयप्रकाश जीनवाल, जी.एस.लोहिया उपस्थित रहे। यह जानकारी डॉ. स्वामीनाथ पांडेय मिडिया प्रभारी द्वारा दी गई।

जब जैवविविधता पर समस्या आती है, तो मानवता पर भी समस्या आती है

उज्जैन। भूमि आधारित पर्यावरण का तीन-चौथाई हिस्सा और समुद्री पर्यावरण का लगभग 66 फीसदी हिस्सा मानवीय गतिविधियों के कारण काफी हद तक बदल गया है। उक्त शुभकामना संदेश विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. डॉ. अर्पण भारद्वाज ने पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान के आंगन में आयोजित विशेष परिसंवाद आयोजन में व्यक्त किए।

कुलसचिव डॉ. अनिल शर्मा ने संयुक्त राष्ट्र संघ के आंकड़ों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 10 लाख पशु और पौधों की प्रजातियां अब विलुप्त होने की कगार पर हैं। ऐसी स्थिति में पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान ने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित इस प्रकार के नवाचार आयोजन में अपने पूर्व प्रतिभाशाली छात्र अरुण पटेल (आईडीबीआई बैंक) द्वारा एलोवेरा पौधा विक्रम विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल शर्मा को, प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता, निदेशक, पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान की उपस्थिति में, जैव पारिस्थितिकी प्रतीक के रूप में सौंपा गया।

इसी श्रृंखला में कृषि अध्ययन शाला में भी परिसंवाद आयोजन किया गया, जिसमें श्री अरुण पटेल ने विद्यार्थियों से कहा कि जब जैवविविधता पर समस्या आती है, तो मानवता पर भी समस्या आती है।

प्रो. डॉ. कामरान सुल्तान, संकाय अध्यक्ष, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन ने कहा कि जैव विविधता की रक्षा करने की तत्काल आवश्यकता की याद दिलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस (आईडीबी) 2025 की थीम प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास है।

प्रो. डॉ. दीपक गुप्ता, अध्यक्ष, प्रबंध अध्ययन मंडल ने बताया कि यह थीम इस बात पर प्रकाश डालती है कि प्रकृति के लिए यह अभियान सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से कैसे जुड़ता है।

आईडीबी 2025 = सतत विकास और जैवविविधता की दिशा में एकजुट प्रयास

त्रिस्तरीय आयोजन के सूत्रधार प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता, निदेशक, पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान ने अपने विचार रखते हुए कहा कि उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में कीट जैव विविधता में भारी गिरावट देखने में आ रही है।

आईडीबी 2025 का उद्देश्य दुनिया का ध्यान 2030 एजेंडा और इसके सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) तथा कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता ढांचे (केएमजीबीएफ) के लक्ष्यों और उद्देश्यों के बीच संबंधों पर केंद्रित करना है। सार्वभौमिक एजेंडा को एक साथ आगे बढ़ना चाहिए।

विद्यार्थियों ने अपने विचार रखते हुए कहा कि साल 1992 में रियो डी जेनेरियो में पृथ्वी शिखर सम्मेलन में जैव विविधता पर कन्वेंशन (सीबीडी) को अपनाने के बाद, 1993 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस दिवस की स्थापना की गई थी।

ऑडिटर्स एसोसिएशन लोकल फण्ड ऑडिट की हुई साधारण सभा

उज्जैन। ऑडिटर्स एसोसिएशन लोकल फण्ड ऑडिट संभाग उज्जैन मध्यप्रदेश के पंजीकृत सदस्यों की साधारण सभा आयोजित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय एवं अनुशंसा के आधार पर संभागीय कार्यकारिणी का गठन किया गया। साधारण सभा में अध्यक्ष निखलेश गौड़ द्वारा संभागीय उपाध्यक्ष दीपक राजपूत, जमना प्रसाद भैसारे, सचिव दीपक राठौर, सह सचिव विजय दुबे, मुकेश रायकवार, महामंत्री योगेन्द्र कुशवाह, मीडिया प्रभारी हितेश जायसवाल, कोषाध्यक्ष राजू डामोर, कार्यकारिणी सदस्यो में संतोष डांगी, आभा पाण्डे, अनामिका शुक्ला, गगन सहरिया, रचना राठौर, सुरभि दिसावल को नियुक्ति पत्र प्रदान कर पुष्पमाला से स्वागत किया गया। साथ ही इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे मोकम सिंह पटेल अध्यक्ष-संयुक्त मोर्चा उज्जैन के तत्वाधान में 5 जून को होने जा रहे कर्मचारी हितेषी निर्णय लेने वाले मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के पॉलिटेकनीक कॉलेज में होने वाले स्वागत आभार कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आग्रह किया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com